World Zoonoses Day 2026: One Health Approach to Prevent Animal-to-Human Diseases

RAS

On the **occasion of World Zoonoses Day (6 July),** health and veterinary experts in Udaipur highlighted the growing importance of the One Health approach in preventing diseases that spread from animals to humans. The initiative highlights the inter-dependency of human health, animal health and environmental health, and the need for joint action for disease prevention.

With Rajasthan having a large livestock population, expanding dairy and poultry activities, and close human-animal interaction in both rural and urban areas, strengthening awareness, vaccination, surveillance, and hygiene practices has become increasingly important for reducing the risk of zoonotic diseases.

What is the One Health Approach?

The **One Health** approach is a collaborative framework that recognizes the close relationship between **people, animals, plants, and the environment.** It promotes collaboration between health authorities, veterinary departments, environmental agencies and local communities in the detection, prevention and response to disease outbreaks.

This holistic approach is increasingly being embraced globally to enhance public health and preparedness for new infectious disease threats.

Why is One Health Important for Rajasthan?

Rajasthan is one of the major states of the country in terms of livestock rearing. Dairy farming, cattle breeding, goat farming, camel husbandry, and poultry farming contribute significantly to the state's economy. The potential for zoonotic disease transmission is a risk that needs to be monitored regularly due to increased human-animal interaction.

Factors increasing the need for vigilance include:

- Large livestock and dairy population.
- Extensive rural animal husbandry practices.
- Rapid urbanization and increasing pet ownership.
- Higher disease transmission risks during the monsoon season.
- Occupational exposure among veterinarians, dairy workers, sanitation workers, and poultry handlers.

Common Zoonotic Diseases

Several infectious diseases can spread from animals to humans through bites, contaminated food, direct contact, or contaminated water.

Disease	Mode of Transmission	Prevention
Rabies	Dog, cat, or wild animal bite	Immediate wound washing and post-exposure vaccination
Brucellosis	Contact with infected animals or unpasteurized milk	Consume pasteurized/boiled milk and maintain animal health
Avian Influenza (Bird Flu)	Contact with infected birds	Hygiene, surveillance, and safe poultry handling
Leptospirosis	Contaminated water	Safe drinking water and protective measures
Scrub Typhus	Bite from infected mites	Protective clothing and avoiding mite-infested vegetation

RASonly

Rabies Prevention: A Preventable Public Health Threat

Health experts emphasized that **rabies is almost entirely preventable** if proper medical care is received promptly after exposure.

Recommended steps include:

- Wash the wound immediately with soap and running water for **at least 15 minutes**.
- Seek medical attention without delay.

- Complete the prescribed **anti-rabies vaccination** schedule.
- Ensure regular vaccination of pet dogs and cats.

Early treatment greatly reduces the risk of infection.

Simple Measures to Prevent Zoonotic Diseases

Preventing zoonotic diseases largely depends on awareness and responsible practices.

- Vaccinate pets and livestock regularly.
- Drink boiled or pasteurized milk.
- Avoid contact with sick or dead animals.
- Maintain hand hygiene after handling animals.
- Use protective equipment during animal care.
- Report unusual illness in animals to veterinary authorities.
- Seek immediate medical advice after any suspected animal bite or exposure.

Key Facts for RAS 2026

- **World Zoonoses Day** is observed every year on **6 July**.
- The **One Health** approach integrates **human, animal, and environmental health**.
- Rabies remains a **vaccine-preventable disease** when timely post-exposure treatment is received.
- Public awareness, vaccination, surveillance, and inter-departmental coordination are essential components of zoonotic disease control.

MCQs

Q1. World Zoonoses Day is observed every year on:

A) 5 June
B) 21 June
C) 6 July
D) 11 July

Answer: C) 6 July

Q2. The One Health approach focuses on the integration of:

A) Agriculture and Industry
B) Human, Animal and Environmental Health
C) Education and Technology
D) Urban and Rural Development

RASonly

Answer: B) Human, Animal and Environmental Health

Q3. Rabies is primarily transmitted through:

A) Mosquito bites
B) Contaminated water
C) Animal bites from infected mammals
D) Airborne droplets

Answer: C) Animal bites from infected mammals

Q4. Which of the following is recommended immediately after an animal bite to reduce the risk of rabies?

A) Apply turmeric only
B) Cover the wound tightly
C) Wash the wound thoroughly with soap and running water and seek medical care
D) Ignore if bleeding stops

Answer: C) Wash the wound thoroughly with soap and running water and seek medical car

विश्व जूनोसिस दिवस 2026: पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाले रोगों की रोकथाम में 'वन हेल्थ' दृष्टिकोण

विश्व जूनोसिस दिवस **(6 जुलाई)** के अवसर पर उदयपुर में स्वास्थ्य एवं पशु चिकित्सा विशेषज्ञों ने पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाले संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए 'वन हेल्थ' **(One Health)** दृष्टिकोण के महत्व पर विशेष जोर दिया। यह अवधारणा इस तथ्य पर आधारित है कि मानव स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य और पर्यावरण स्वास्थ्य एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं, इसलिए रोगों की रोकथाम के लिए इन तीनों क्षेत्रों में समन्वित प्रयास आवश्यक हैं।

राजस्थान में पशुधन की बड़ी संख्या, डेयरी एवं पोल्ट्री गतिविधियों का विस्तार तथा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में मनुष्यों एवं पशुओं के बीच बढ़ते संपर्क को देखते हुए जागरूकता, टीकाकरण, निगरानी **(Surveillance)** और स्वच्छता को मजबूत करना अत्यंत आवश्यक हो गया है, जिससे जूनोटिक (Zoonotic) रोगों के प्रसार को प्रभावी ढंग से रोका जा सके।

क्या है 'वन हेल्थ' (One Health) दृष्टिकोण?

वन हेल्थ एक समन्वित एवं बहु-विषयक (Multidisciplinary) दृष्टिकोण है, जो यह मानता है कि मनुष्य, पशु, पौधे और पर्यावरण एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग, पर्यावरण एजेंसियों तथा स्थानीय समुदायों के बीच सहयोग स्थापित कर संक्रामक रोगों की पहचान, रोकथाम और नियंत्रण को अधिक प्रभावी बनाना है।

उभरते संक्रामक रोगों से निपटने और सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत करने के लिए यह मॉडल आज विश्वभर में तेजी से अपनाया जा रहा है।

RASonly

राजस्थान के लिए 'वन हेल्थ' क्यों महत्वपूर्ण है?

राजस्थान देश के प्रमुख पशुपालन राज्यों में से एक है। यहां डेयरी उद्योग, गोपालन, बकरी पालन, ऊंट पालन तथा पोल्ट्री व्यवसाय ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार हैं। ऐसे में पशुओं और मनुष्यों के बीच लगातार संपर्क होने के कारण जूनोटिक रोगों की रोकथाम के लिए निरंतर निगरानी और सतर्कता आवश्यक है।

राजस्थान में सतर्कता की आवश्यकता बढ़ाने वाले प्रमुख कारण:

- राज्य में बड़ी पशुधन एवं डेयरी आबादी।
- ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक पशुपालन गतिविधियां।
- तेजी से बढ़ता शहरीकरण एवं पालतू पशुओं की संख्या।
- मानसून के दौरान संक्रमण फैलने का बढ़ा हुआ जोखिम।
- पशु चिकित्सकों, डेयरी कर्मियों, पोल्ट्री कर्मचारियों एवं सफाई कर्मियों जैसे उच्च जोखिम वाले समूह।

प्रमुख जूनोटिक (Zoonotic) रोग

कई संक्रामक रोग पशुओं से मनुष्यों में काटने, संक्रमित भोजन, सीधे संपर्क अथवा दूषित पानी के माध्यम से फैल सकते हैं।

रोग	संक्रमण का माध्यम	बचाव
रेबीज	संक्रमित कुत्ते, बिल्ली या अन्य स्तनधारी पशु के काटने से	घाव को तुरंत धोना एवं एंटी-रेबीज टीकाकरण
ब्रुसेलोसिस	संक्रमित पशु अथवा बिना उबले/अपाश्चुरीकृत दूध से	उबला या पाश्चुरीकृत दूध पीना एवं पशुओं की नियमित जांच
बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लुएंजा)	संक्रमित पक्षियों के संपर्क से	स्वच्छता, निगरानी एवं सुरक्षित पोल्ट्री प्रबंधन
लेप्टोस्पायरोसिस	दूषित पानी के संपर्क से	स्वच्छ पानी का उपयोग एवं सुरक्षा उपाय
स्क्रब टाइफस	संक्रमित माइट (Mites) के काटने से	सुरक्षात्मक कपड़े पहनना एवं झाड़ियों वाले क्षेत्रों से सावधानी

रेबीज की रोकथाम: पूरी तरह बचाव संभव

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार रेबीज एक ऐसी बीमारी है जिससे समय पर उचित उपचार मिलने पर लगभग पूरी तरह बचा जा सकता है।

रेबीज से बचाव के लिए आवश्यक कदम:

- पशु के काटने पर घाव को कम से कम **15** मिनट तक साबुन और बहते पानी से अच्छी तरह धोएं।
- बिना देरी किए चिकित्सकीय सहायता प्राप्त करें।

RASonly

- डॉक्टर द्वारा निर्धारित एंटी-रेबीज वैक्सीन का पूरा कोर्स पूरा करें।
- पालतू कुत्तों एवं बिल्लियों का नियमित टीकाकरण कराएं।

समय पर उपचार संक्रमण के खतरे को काफी हद तक कम कर देता है।

जूनोटिक रोगों से बचाव के सरल उपाय

इन रोगों की रोकथाम मुख्य रूप से जागरूकता और जिम्मेदार व्यवहार पर निर्भर करती है।

- पालतू पशुओं एवं पशुधन का नियमित टीकाकरण कराएं।
- केवल उबला या पाश्चुरीकृत दूध ही सेवन करें।
- बीमार या मृत पशुओं के सीधे संपर्क से बचें।
- पशुओं को छूने के बाद हाथों को अच्छी तरह धोएं।
- पशुपालन कार्य के दौरान आवश्यक सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करें।
- पशुओं में किसी असामान्य बीमारी की सूचना पशु चिकित्सा विभाग को दें।
- किसी भी पशु के काटने या संदिग्ध संक्रमण की स्थिति में तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें।

RAS 2026 परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण तथ्य

- विश्व जूनोसिस दिवस प्रत्येक वर्ष **6** जुलाई को मनाया जाता है।
- वन हेल्थ दृष्टिकोण मानव, पशु एवं पर्यावरण स्वास्थ्य के समन्वय पर आधारित है।
- रेबीज एक ऐसा रोग है जिससे समय पर पोस्ट-एक्सपोज़र प्रोफिलैक्सिस **(PEP)** और टीकाकरण के माध्यम से बचाव संभव है।
- जूनोटिक रोगों की रोकथाम के लिए जन-जागरूकता, टीकाकरण, निगरानी तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक है।

MCQs

प्रश्न 1. विश्व जूनोसिस दिवस प्रत्येक वर्ष कब मनाया जाता है?

A) 5 जून
B) 21 जून
C) **6** जुलाई
D) 11 जुलाई

उत्तर: C) 6 जुलाई

प्रश्न 2. 'वन हेल्थ' (One Health) दृष्टिकोण मुख्य रूप से किन क्षेत्रों के समन्वय पर आधारित है?

A) कृषि एवं उद्योग
B) मानव, पशु एवं पर्यावरण स्वास्थ्य
C) शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी
D) शहरी एवं ग्रामीण विकास

उत्तर: B) मानव, पशु एवं पर्यावरण स्वास्थ्य

RASonly

प्रश्न 3. रेबीज मुख्यतः किस माध्यम से फैलता है?

A) मच्छर के काटने से
B) दूषित पानी से
C) संक्रमित स्तनधारी पशु के काटने से
D) वायु के माध्यम से

उत्तर: C) संक्रमित स्तनधारी पशु के काटने से

प्रश्न 4. किसी पशु के काटने के तुरंत बाद रेबीज से बचाव के लिए सबसे पहला कदम क्या होना चाहिए?

A) केवल हल्दी लगाना
B) घाव को कसकर बांध देना
C) घाव को साबुन और बहते पानी से अच्छी तरह धोकर तुरंत चिकित्सकीय सहायता लेना
D) रक्तस्राव रुकने पर कोई उपचार न करना

उत्तर: C) घाव को साबुन और बहते पानी से अच्छी तरह धोकर तुरंत चिकित्सकीय सहायता लेना

RASonly

NSO Survey: Jaipur Tops Patna, Lucknow, Ahmedabad in Job & Self-Employment Income

The latest National Sample Survey Office (NSO) survey has revealed that Jaipur has emerged as one of India's better-performing cities in terms of average monthly earnings. The survey revealed that the average incomes of workers employed in regular salaried positions and self-employed workers in Jaipur are higher than those in some other cities like Patna, Lucknow and Ahmedabad. The results indicate the significance of Jaipur as an emerging economic center based on activities in Services, Tourism, Information Technology, Education, Handicrafts, and Start-ups.

The report is important for its insights into the dynamics of urban labor markets, quality of employment, wages, and regional economic differences. These surveys can be of help to governments in formulating policies for employment and skill development, as well as in urban economic planning.

RAS

What is the National Sample Survey Office (NSO)?

The National Sample Survey Office (NSO) is India's premier statistical organisation responsible for conducting nationwide socio-economic surveys. It operates under the Ministry of Statistics and Programme Implementation (MoSPI).

The NSO collects data on:

- Employment and unemployment
- Household consumption expenditure
- Health and education
- Agriculture
- Industries
- Social indicators
- Labour force participation
- Income and earnings

Its reports deliver accurate information that aids in policy formulation based on evidence.

Key Findings of the Survey

According to the latest NSO survey:

- The average earnings of regular salaried workers and self-employed workers were higher in Jaipur.
- In these jobs, Jaipur had a higher income level than Patna, Lucknow and Ahmedabad.
- Improved employment conditions in services have played a large part in boosting incomes.
- The increased tourism activity and the expansion of the IT sector, along with the sectors of education, healthcare, real estate and MSMEs, have given Jaipur its robust labor market.
- The self-employed in handicrafts, jewellery, tourism, retail trade and digital businesses also had relatively high incomes.

Why is Jaipur Performing Better?

Several factors explain Jaipur's stronger income performance:

1. Expanding Service Sector

The city has witnessed rapid growth in:

- Information Technology (IT)
- Business Process Outsourcing (BPO)
- Education
- Healthcare
- Banking & Financial Services.

The sectors provide relatively higher-paying regular employment opportunities.

RASonly

2. Tourism Economy

Jaipur is one of India's most visited tourist destinations. Tourism provides jobs to people in:

- Hotels
- Restaurants
- Transport
- Handicrafts
- Jewellery
- Event management

This generates jobs and creates jobs for the self-employed.

3. Strong MSME Base

Jaipur has thousands of Micro, Small and Medium Enterprises involved in:

- Gems and jewellery
- Marble processing
- Textile printing
- Handicrafts
- Leather products

These are sectors that bring profit to the businessmen and to the skilled individuals.

4. Growing Startup Ecosystem

Government initiatives such as:

- Startup Rajasthan
- Digital India
- Skill India
- Startup India

Have fostered entrepreneurial initiatives among young people.

Importance of the Survey

The NSO survey supports:

- Measure employment quality.

RASonly

- Make comparisons between city incomes.
- Identify regional inequalities.
- Enhance the well-being of the labour force.
- Guide urban planning.
- Support evidence-based policymaking.

Challenges

Despite having made positive progress in income growth, Jaipur still has a number of challenges:

- An increase in the cost of living in the city.
- Informal employment
- Gender wage gap
- Skill mismatch
- Youth unemployment
- Inflation that affects the purchasing power

It is still necessary to address these issues to maintain inclusive economic growth.

MCQs

Q1. The National Sample Survey Office (NSO) functions under which Ministry?

A. Ministry of Labour and Employment

B. Ministry of Finance

C. Ministry of Statistics and Programme Implementation

D. Ministry of Commerce

Answer: C

Q2. According to the latest NSO survey, Jaipur recorded higher average income than which of the following cities?

1. Patna
2. Lucknow
3. Ahmedabad

Select the correct answer.

RASonly

A. 1 only

B. 1 and 2 only

C. 2 and 3 only

D. 1, 2 and 3

Answer: D

Q3. Which sector has contributed significantly to Jaipur's higher regular employment earnings?

A. Mining

B. Information Technology and Services

C. Agriculture

D. Fisheries

Answer: B

Q4. Which government initiative primarily promotes entrepreneurship among youth?

A. PM-KISAN

B. Startup India

C. National Food Security Mission

D. Jal Jeevan Mission

Answer: B

RASonly

NSO सर्वे: नियमित नौकरी और स्वरोजगार दोनों में जयपुर की बेहतर औसत आय, पटना, लखनऊ और अहमदाबाद से आगे

हाल ही में राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय **(NSO)** के नवीनतम सर्वेक्षण में यह सामने आया है कि जयपुर औसत मासिक आय के मामले में भारत के बेहतर प्रदर्शन करने वाले शहरों में उभरकर सामने आया है।

सर्वेक्षण में बताया गया कि नियमित वेतनभोगी कर्मचारियों तथा स्वरोजगार करने वाले लोगों की औसत आय जयपुर में पटना, लखनऊ और अहमदाबाद जैसे शहरों की तुलना में अधिक है। यह परिणाम सेवा क्षेत्र, पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षा, हस्तशिल्प तथा स्टार्ट-अप गतिविधियों के आधार पर जयपुर के एक उभरते आर्थिक केंद्र के रूप में महत्व को दर्शाता है।

यह रिपोर्ट शहरी श्रम बाजार, रोजगार की गुणवत्ता, वेतन स्तर तथा क्षेत्रीय आर्थिक असमानताओं की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करती है। ऐसे सर्वेक्षण सरकारों को रोजगार, कौशल विकास तथा शहरी आर्थिक योजना से जुड़ी नीतियां बनाने में सहायता करते हैं।

राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (NSO) क्या है?

राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय **(NSO)** भारत का प्रमुख सांख्यिकीय संगठन है, जो देशभर में सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण आयोजित करने के लिए जिम्मेदार है। यह सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय **(MoSPI)** के अधीन कार्य करता है।

NSO निम्नलिखित विषयों पर आंकड़े एकत्र करता है:

- रोजगार और बेरोजगारी
- घरेलू उपभोग व्यय
- स्वास्थ्य और शिक्षा
- कृषि
- उद्योग
- सामाजिक संकेतक
- श्रम बल की भागीदारी
- आय और कमाई

इसकी रिपोर्टें साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण के लिए विश्वसनीय जानकारी उपलब्ध कराती हैं।

सर्वेक्षण के प्रमुख निष्कर्ष

नवीनतम NSO सर्वेक्षण के अनुसार:

- नियमित वेतनभोगी कर्मचारियों तथा स्वरोजगार करने वाले लोगों की औसत आय जयपुर में अधिक रही।
- इन रोजगार श्रेणियों में जयपुर की आय पटना, लखनऊ और अहमदाबाद से अधिक रही।
- सेवा क्षेत्र में बेहतर रोजगार अवसरों ने आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- पर्यटन गतिविधियों में वृद्धि तथा आईटी, शिक्षा, स्वास्थ्य, रियल एस्टेट और MSME क्षेत्रों के विस्तार ने जयपुर के श्रम बाजार को मजबूत बनाया।
- हस्तशिल्प, आभूषण, पर्यटन, खुदरा व्यापार तथा डिजिटल व्यवसायों से जुड़े स्वरोजगार करने वाले लोगों की आय भी अपेक्षाकृत अधिक रही।

जयपुर का प्रदर्शन बेहतर क्यों रहा?

जयपुर की बेहतर आय के पीछे कई कारण हैं।

1. सेवा क्षेत्र का विस्तार

RASonly

शहर में निम्न क्षेत्रों में तेजी से विकास हुआ है:

- सूचना प्रौद्योगिकी (IT)
- बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग (BPO)
- शिक्षा
- स्वास्थ्य सेवाएं
- बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएं

ये क्षेत्र अपेक्षाकृत अधिक वेतन वाली नियमित रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं।

2. पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था

जयपुर भारत के सबसे अधिक भ्रमण किए जाने वाले पर्यटन स्थलों में से एक है। पर्यटन निम्न क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराता है:

- होटल
- रेस्टोरेंट
- परिवहन
- हस्तशिल्प
- आभूषण
- इवेंट मैनेजमेंट

इससे वेतनभोगी रोजगार के साथ-साथ स्वरोजगार के अवसर भी उत्पन्न होते हैं।

3. मजबूत **MSME** आधार

जयपुर में हजारों सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (MSME) कार्यरत हैं, जो निम्न क्षेत्रों से जुड़े हैं:

- रत्न एवं आभूषण
- मार्बल प्रोसेसिंग
- वस्त्र छपाई
- हस्तशिल्प
- चमड़े के उत्पाद

ये क्षेत्र उद्यमियों तथा कुशल श्रमिकों दोनों को आय प्रदान करते हैं।

4. बढ़ता स्टार्ट-अप इकोसिस्टम

सरकार की निम्नलिखित पहलें:

- स्टार्टअप राजस्थान
- डिजिटल इंडिया
- स्किल इंडिया
- स्टार्टअप इंडिया

ने युवाओं में उद्यमिता को बढ़ावा दिया है।

सर्वेक्षण का महत्व

RASonly

NSO सर्वेक्षण निम्नलिखित कार्यों में सहायता करता है:

- रोजगार की गुणवत्ता का आकलन करना।
- विभिन्न शहरों की आय की तुलना करना।
- क्षेत्रीय असमानताओं की पहचान करना।
- श्रमिकों के कल्याण में सुधार करना।
- शहरी योजना बनाने में मार्गदर्शन देना।
- साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण को समर्थन देना।

चुनौतियां

आय में सकारात्मक वृद्धि के बावजूद जयपुर के सामने अभी भी कई चुनौतियां हैं:

- शहरी क्षेत्रों में बढ़ती जीवन-यापन लागत।
- अनौपचारिक रोजगार।
- लैंगिक वेतन असमानता।
- कौशल असंगति।
- युवाओं में बेरोजगारी।
- महंगाई के कारण क्रय शक्ति पर प्रभाव।

समावेशी आर्थिक विकास बनाए रखने के लिए इन चुनौतियों का समाधान करना अभी भी आवश्यक है।

MCQs

Q1. राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय **(NSO)** किस मंत्रालय के अधीन कार्य करता है**?**

A. श्रम एवं रोजगार मंत्रालय
B. वित्त मंत्रालय
C. सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय
D. वाणिज्य मंत्रालय

उत्तर: **C**

Q2. नवीनतम **NSO** सर्वेक्षण के अनुसार जयपुर की औसत आय किन शहरों से अधिक रही**?**

1. पटना
2. लखनऊ
3. अहमदाबाद

सही उत्तर चुनिए:

A. केवल 1
B. केवल 1 और 2
C. केवल 2 और 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: **D**

RASonly

Q3. जयपुर में नियमित रोजगार से होने वाली अधिक आय में किस क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान रहा है?

A. खनन
B. सूचना प्रौद्योगिकी एवं सेवा क्षेत्र
C. कृषि
D. मत्स्य पालन

उत्तर: **B**

Q4. युवाओं में उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली प्रमुख सरकारी पहल कौन-सी है?

A. पीएम-किसान
B. स्टार्टअप इंडिया
C. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन
D. जल जीवन मिशन

उत्तर: **B**

RASonly